चिन्मय विद्यालय, नई दिल्ली

नवोल्लास

हिंदी ई-समाचार पत्र २०२३

हिंदी विभाग

प्राचार्या का संदेश

अर्चना सोनी

शिक्षा की व्यवस्था हो चाहे व्यवस्था की शिक्षा भाषा का महत्त्व सर्वविदित है !

भारत की राजभाषा तथा संस्कृति और संस्कारों की पहचान है **हिंदी**। भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर हिंदी अपनी पहचान बना चुकी है। अतः गूगल , विकीपीडिया जैसी बड़ी वेबसाइट भी हिंदी को हर व्यक्ति तक पहुँचाने हेतु कार्यरत एवं कटिबद्ध है।

नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी शिक्षण पर भी अत्यधिक बल दिया गया है। हिंदी भाषा के महत्त्व को प्रतिपादित करती यह ई-पत्रिका छात्रों की सृजनात्मकता कलात्मकता एवं अप्रैल माह में संपन्न की गई विद्यालयीय विशेष गतिविधियों का ऐसा संकलन है जो हिंदी भाषा के प्रति प्रेम जगाने के साथ-साथ पाठकों में नवोल्लास भर देगी! हिंदी विभाग के इस पहल की मैं भरसक सराहना करती हूँ तथा अपेक्षा करती हूँ कि यह विभाग निरंतर छात्रों को हिंदी भाषा के प्रति रुझान उत्पंन्न करने में सहायक सिद्ध होगा।

भारतीय नवजागरण के अग्रदूत भारतेंदु हरिश्चंद्र जी की पंक्तियाँ भी हिंदी के महत्त्व को प्रतिपादित करती हैं-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।

बिन निज भाषा ज्ञान के , मिटत न हिय के सूल॥

संपादकीय

विभाग अध्यक्षा
रिनी गुलाटी

वसंत ऋतु की मनमोहक छटा से दिशाएँ आह्लादित हैं। मनमयूर अपने पंख फैलाए उल्लसित है !

अप्रैल मास जहाँ एक ओर प्राकृतिक संपन्नता का प्रतीक है वहीं दूसरी ओर छात्रों के हाथों में

तूलिका थमा देती है और नए सत्र के पटल पर अपनी आकांक्षाएँ, अपेक्षाएँ एवं भावनाओं के रंग भरने का सुअवसर प्रदान करती है। नवोल्लास से भरे छात्रगण नए सत्र का स्वागत करते हुए संकल्प बद्ध हो लक्ष्य की ओर सहर्ष अग्रसर होते हैं।

हिंदी विभाग को ई-पत्रिका 'नवोल्लास' के माध्यम से सत्र 2023-24 के स्वागत का सुअवसर प्राप्त हुआ। हम सभी यह आशा करते हैं कि छात्रगण नवीन उत्साह, उल्लास से सराबोर हो हिंदी भाषा के उत्थान के प्रति योगदान अवश्य देंगे। निराला जी की पंक्तियों के माध्यम से ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती से प्रार्थना करते हैं-

नवल कंठ, नव जलद मंद्र रव, नव नभ के नव विहग वृंद को

नव पर नव स्वर दे, वर दे वीणा वादिनी वर दे.....

विशिष्ट उपक्रम

कक्षा प्रस्तुति

कक्षा दसवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना पर बल दिया गया तथा महिला शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। नुक्कड़नाटक, गीत, एवं नृत्यादि के माध्यम से सफलतम प्रस्तुति दी गई।

मॉडल G20

कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न क्रियाकलापों में भाग लिया, G20 के तहत "वसुधैव कुटुम्बकम्" की अवधारणा का स्पष्टीकरण करते हुए उन देशों की समस्याओं को दर्शाया गया तथा समाधान भी सुझाया गया।

पुरस्कृत छात्र

हृदय की गहराईयों से शुभकामनाएँ...

प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त चिन्मय विद्यालय के होनहार छात्र।

D.A.V. PUBLIC SCHOOL
ASHOK VIHAR, PH-IV, DELHI-52
www.davashokvihar.in || davaskph4@gmail.com

KRITI
(Creating the Creations)
Annual Inter School Artistry Competition
Session 2023-24

CERTIFICATE OF ACHIEVEMENT

This certificate is awarded to Miss/Master Tanay Raj

of Chinmaya Vidyalaya Vasant Vihar

for the outstanding performance in

MEME STRING

event and securing I position.

DATE 19th APRIL 2023

PRINCIPAL
(Ms. Kusum Bhardwaj)

D.A.V. PUBLIC SCHOOL
ASHOK VIHAR, PH-IV, DELHI-52
www.davashokvihar.in || davaskph4@gmail.com

KRITI
(Creating the Creations)
Annual Inter School Artistry Competition
Session 2023-24

CERTIFICATE OF ACHIEVEMENT

This certificate is awarded to Miss/Master Shivansh

of Chinmaya Vidyalaya Vasant Vihar

for the outstanding performance in

MEME STRING

event and securing I position.

DATE 19th APRIL 2023

PRINCIPAL
(Ms. Kusum Bhardwaj)

प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त चिन्मय विद्यालय के होनहार छात्र।

चिन्मय वार्ता मंच

प्रतियोगिता प्रेरणा का सर्वोत्तम साधन है..

एपीजे स्कूल, के द्वारा आयोजित अंतर्विद्यालयीय प्रतियोगिता में कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने भाग लिया.

वैसाखी उत्सव...

भारतीय त्योहार वैसाखी पर छात्रों की उत्साह पूर्वक भागीदारी...

हनुमान जयंती

बल बुद्धि विद्या के दाता हनुमान जी के बारे में जानकारी देते हुए,विशेष आयोजन किया गया...

अम्बेडकर जयंती

शिक्षार्थियों को बाबा-साहब के संघर्षों एवं संविधान के बारे में बताया गया ...

विश्व चित्रकला दिवस

चिन्मय विद्यालय के छात्र-छात्राओं नें १५ अप्रैल २०२३ को विश्व चित्रकला दिवस पर उत्साह पूर्वक गतिविधियों में भाग लिया।

स्वागत सभा का आयोजन

प्राथमिक (फ्रीडम सदन) के छात्रों ने नए शैक्षणिक सत्र 2023-24 के अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थीगण एवं चिन्मय परिवार का स्वागत करते हुए विशिष्ट सभा का आयोजन किया।

"विश्व पृथ्वी दिवस"

प्रकृति के साथ हो रहे छेड़छाड़ को दर्शाते हुए छात्रों द्वारा भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा अंत में धरती माँ की खुशहाली हेतु सभी छात्रों ने संगठित हो संकल्प भी लिया।

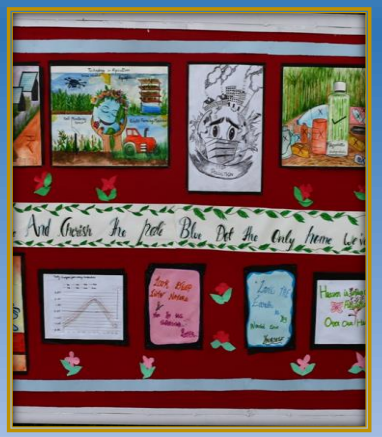

विश्व नृत्य दिवस समारोह

विश्व नृत्य दिवस के उपलक्ष्य पर छात्रों द्वारा अतीव मनोरम राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, शास्त्रीय, आधुनिक तथा लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए।

अंतर्सदनीय प्रतियोगिताएँ

बास्केट बॉल सेमी फाइनल मैच- (VI-VIII)

थ्रो बॉल सेमी फाइनल मैच- (VI-VIII)

विद्यालय के उभरते लेखक..

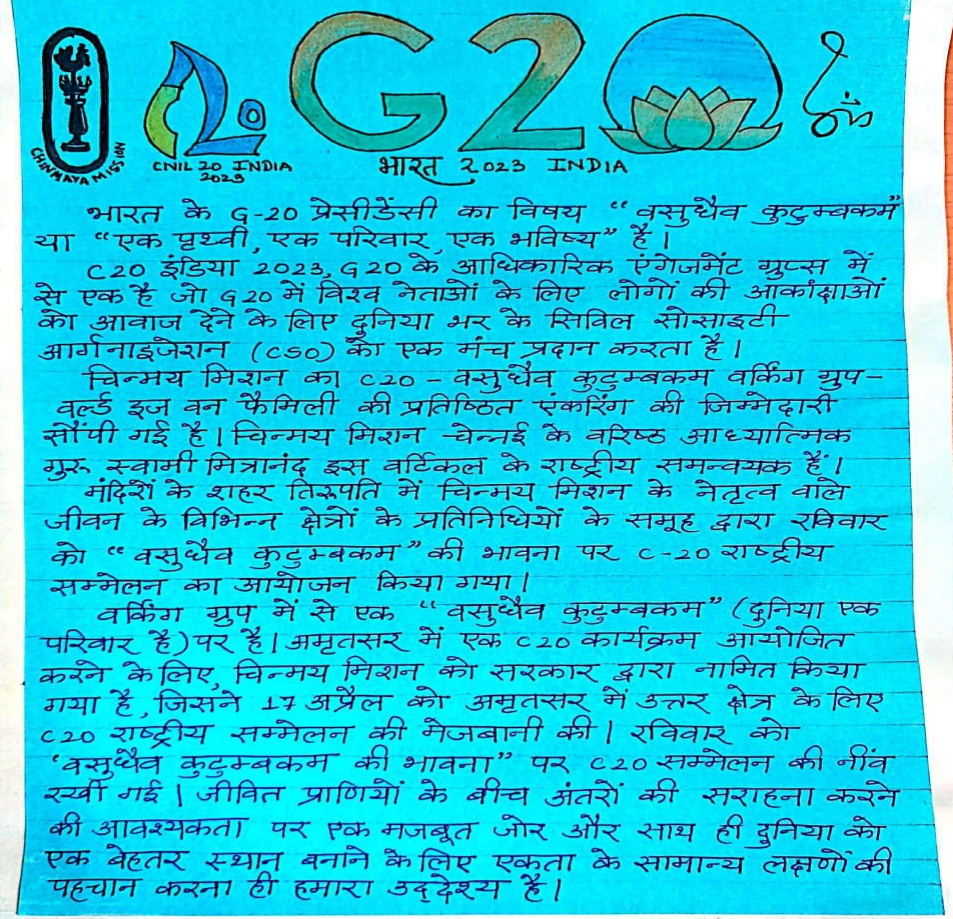

भारत के G-20 प्रेसीडेंसी का विषय "वसुधैव कुटुम्बकम" या "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" है।

C20 इंडिया 2023, G20 के आधिकारिक एंगेजमेंट ग्रुप्स में से एक है जो G20 में विश्व नेताओं के लिए लोगों की आकांक्षाओं को आवाज देने के लिए दुनिया भर के सिविल सोसाइटी आर्गनाइजेशन (CSO) को एक मंच प्रदान करता है।

चिन्मय मिशन का C20 - वसुधैव कुटुम्बकम वर्किंग ग्रुप - वर्ल्ड इज वन फैमिली की प्रतिष्ठित एंकरिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चिन्मय मिशन चेन्नई के वरिष्ठ आध्यात्मिक गुरू स्वामी मित्रानंद इस वर्टिकल के राष्ट्रीय समन्वयक हैं।

मंदिरों के शहर तिरूपति में चिन्मय मिशन के नेतृत्व वाले जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के समूह द्वारा रविवार को "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना पर C-20 राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

वर्किंग ग्रुप में से एक "वसुधैव कुटुम्बकम" (दुनिया एक परिवार है) पर है। अमृतसर में एक C20 कार्यक्रम आयोजित करने के लिए, चिन्मय मिशन को सरकार द्वारा नामित किया गया है, जिसने 17 अप्रैल को अमृतसर में उत्तर क्षेत्र के लिए C20 राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। रविवार को 'वसुधैव कुटुम्बकम की भावना" पर C20 सम्मेलन की नींव रखी गई। जीवित प्राणियों के बीच अंतरों की सराहना करने की आवश्यकता पर एक मजबूत जोर और साथ ही दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने के लिए एकता के सामान्य लक्षणों की पहचान करना ही हमारा उद्देश्य है।

Scanned with CamScanner

भारत का अमृत काल

अमृत काल का मतलब है किसी भी नए काम को करने का सही समय। 15 अगस्त 2022 को भारत को आज़ादी मिले 75 वर्ष पूरे हुए हैं। आज़ादी का अमृत महोत्सव यानी — आज़ादी की ऊर्जा का अमृत, स्वतंत्रता सैनानियों की प्रेरणाओं का अमृत, नए विचारों, नए संकल्पों का अमृत और इसलिए यह महोत्सव राष्ट्र के जागरण का महोत्सव है।

देश के विकास को तभी गति मिल सकती है जब उसके नागरिक अपना-अपना कर्तव्य समझकर ईमानदारी से काम करें।

नारी सम्मान, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति या अपनी भाषा और विरासत का विकसन तभी पूरा हो सकता है जब देश के नागरिक अपने कर्तव्य समझे और दृढ़ पालन करें।

भारत अब समुद्र से लेकर अंतरिक्ष तक नया इतिहास रच रहा है। जल-थल नभ में भारत की भूमिका विश्व को नई राह दिखा रही है। क्लाइमेट चेंज से लेकर कौशल विकास का रोल मॉडल बन रहा है। भारत का भरोसा अब सपने देखने में नहीं, उसे साकार करने में है। आइए भारत के इस आज़ादी के अमृत महोत्सव का जश्न मनाते हैं और भारत को अग्रसर बनाते हैं।

अनन्या सरिल
XII - C

Scanned with CamScanner

सोशल मीडिया

सौशल मीड़िया के है कई प्रकार
मनुष्य जाति है इसकी आदत से लाचार
फेसबुक, इंस्टाग्राम, टविटर पर रोज होते है पोस्ट्स भरमार
इनके द्वारा हमे दिखते हैं रोज नए कलाकार

माना था इसकी आदत को मैंने अपनी एक बीमारी
किंतु बाकीयों को देख के जाना कि ये तो है महामारी

शीतल हवा के जैसे ये आया हमारे जीवन में
सुख-दुख का भागीदार बनके ये बसा हमारे तन-मन में

रोज देता ये दुनिया की खबर हमें जैसे मानो डिजिटल अखबार
कभी कहे ये रशिया का यूक्रेन पर प्रहार तो कभी बताए बेचारे पशुओ पर अत्याचार
सोशल मीडिया ने दिया। ऑनलाइन व्यापार की गति को एक नई धार
इसके द्वारा मिले व्यापारियों को समस्त जग से नए खरीदार
जैसे होते हैं हर सिक्के के दो पहलू मेरे प्यार
वैसे ही ये हम पर है की कैसे करना है सौशल मीडिया का सही इस्तेमाल।

भव्या झा
X-C

CS Scanned with CamScanner

Date 8/5/23 Topic

ग्लोबल वार्मिंग

ग्लोबल वार्मिंग हम मनुष्य की गलतियों से होता है। जैसे हम कही भी घूमने जाते है तो कार का प्रयोग करते है, गर्मी पड़ने पर तुरंत ए.सी चला लेते है 'आदि। इन सब से पृथ्वी पर कार्बन-डाइ आक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है जिससे पृथ्वी की सतह पर तापमान बढ़ने लगता है जिसे हम ग्लोबल वार्मिंग कहते है। अत्याधिक मात्रा में बिजली के उपकरणों का प्रयोग, जंगलो की कटाई और औद्योगिकरण ही इसका मुख्य कारण है।

ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए हमें वृक्षारोपण करना चाहिए, बिजली के उपकरणों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए। कार, बाइक की जगह हमें साइकिल और सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग करना चाहिए। अपने इन छोटे-छोटे प्रयासो से हम अपनी पृथ्वी को ग्लोबल वार्मिंग से बचा सकते हैं।

- अगस्तया त्रिपाठी
सात - ब

Neelstar® Teacher's Signature

CS Scanned with CamScanner

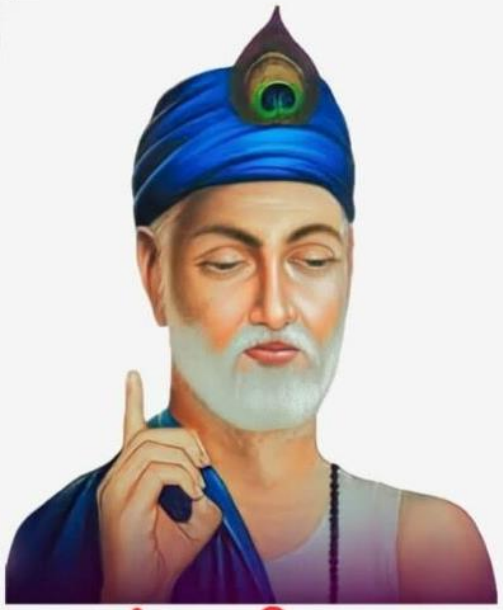

संत कबीर दास

कबीरा चिंता क्या करे
चिंता से क्या होय
मेरी चिंता हरी करे
चिंता मोहे ना कोय..!

संत कबीर दास

कबीर दास जी हिंदी साहित्य के एक महान कवि ही नहीं बल्कि विद्वंत विचारक एवं समाज सुधारक भी थें उन्होंने अपनी कल्पना शक्ति और सकारात्मक विचारों के माध्यम कई रचनाएं लिखी और भारतीय संस्कृति के महत्व को समझाया भक्तिकाल के प्रमुख कवि कबीरदास जी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से लोगों को जीवन जीने का सही मार्ग समझाया।

जब भी भारत में धर्म, भाषा, संस्कृति की चर्चा होती है तो कबीर दास का नाम का जिक्र सबसे पहले होता है क्योंकि कबीर दास जी ने अपने दोहों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को दर्शाया है, इसके साथ ही उन्होंने जीवन के कई ऐसे उपदेश दिए है जिन्हें अपनाकर आदर्शवादी बन सकते है इसके साथ ही कबीर दास ने अपने दोहों से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने की कोशिश की है और भेदभाव को मिटाया है।

"पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय,
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय।"

कबीर दास जी के कहे गए द्वारा कहे गए उपदेश प्रेरणा दायक है। कबीर दास जी ने अपने उपदेशों में समस्त मानव जाती को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी दी है इसके साथ ही अपने उपदेशों के द्वारा समाज में फैली बुराइयों का कड़ा विरोध जताया और आदर्श समाज की स्थापन पर बल दिया।

- धन्यवाद

नित्या
XII-C

CS Scanned with CamScanner

ग्रीष्म ऋतु

ग्रीष्म ऋतु

गर्मी आई गर्मी आई
पंखे कूलर कुल्फी लाई।
सूरज दादा लगे भड़कने
धूप करारी लगी कड़कने,
बरगद की छाया मन भाई
गर्मी आई गर्मी आई।
सूनी सड़के सूनी गलियाँ
बंद दरवाजे खुली खिड़कियाँ,
दोपहरी में बंद घुमाई
गर्मी आई गर्मी आई।
बाहर जाना ही आफत है,
घर के अन्दर कुछ राहत है,
बिन बिजली सांसे घबराई
गर्मी आई गर्मी आई।
अमरस शरबत और ठण्डाई
आईसक्रिम सबके मन भाई
'कूल्फी लूं' मुन्नी चिल्लाई
गर्मी आई गर्मी आई।

~ अराध्या पाकड़

Scanned with CamScanner

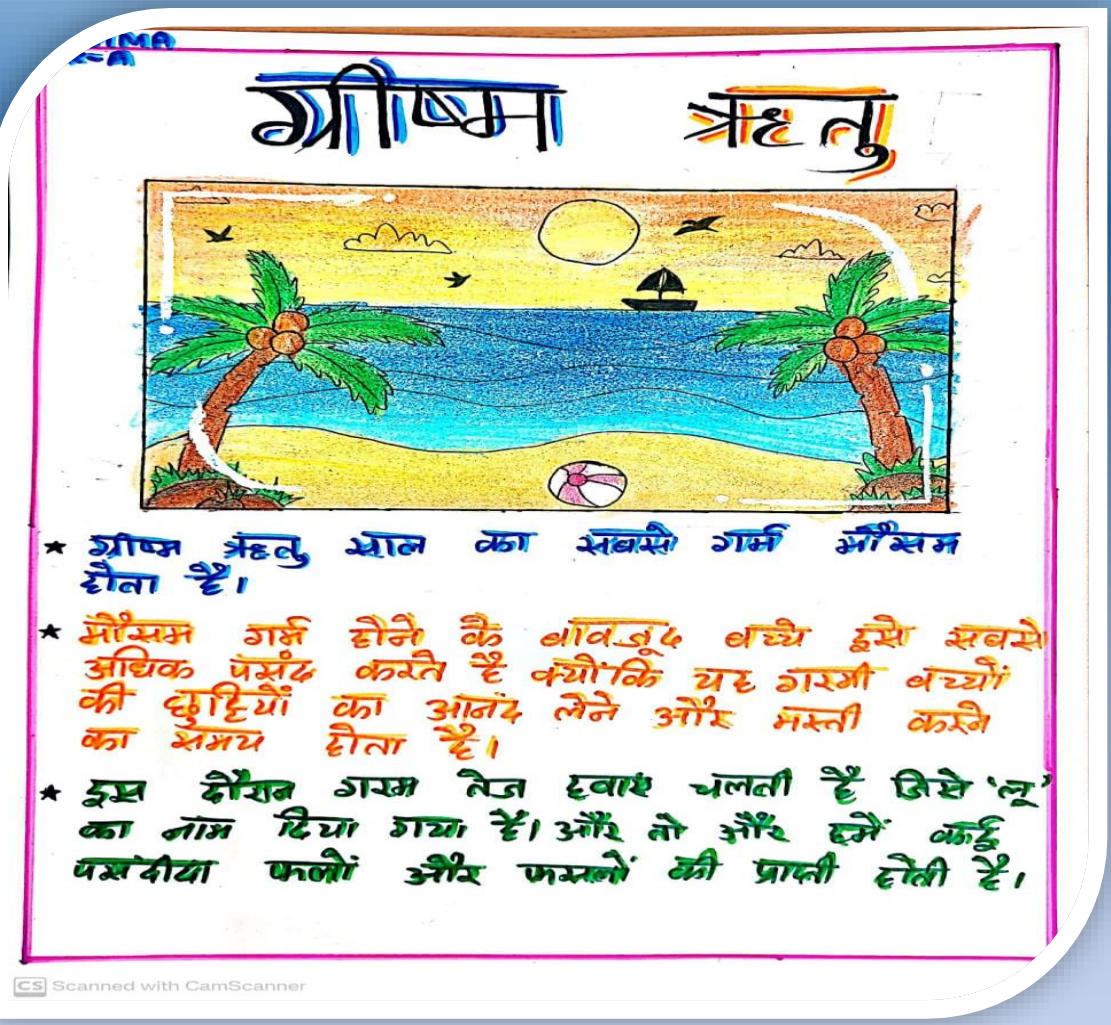

ग्रीष्म ऋतु

★ ग्रीष्म ऋतु साल का सबसे गर्म मौसम होता है।

★ मौसम गर्म होने के बावजूद बच्चे इसे सबसे अधिक पसंद करते हैं क्योंकि यह गरमी बच्चों की छुट्टियों का आनंद लेने और मस्ती करने का समय होता है।

★ इस दौरान गरम तेज हवाएं चलती हैं जिसे 'लू' का नाम दिया गया है। और तो और हमें कई स्वादीया फलों और फसलों की प्राप्ती होती है।

Scanned with CamScanner

मस्ती की पाठशाला पूर्व प्राथमिक विभाग -

छात्रों के स्वागत में मस्ती की पाठशाला का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत कार्टून, जादू, कठपुतली नृत्य आदि का प्रदर्शन किया गया ...

स्मरणीय पल

राष्ट्रपति भवन में फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप उत्सव में प्रतिभागिता।

मुहावरों की अतरंगी दुनिया

हर भाषा में शब्दों का अपभ्रंश होना बहुत सामान्य बात है,एक बार मैं कुछ लोगो के साथ बैठा हुआ था तो कुछ दिलचस्प बातें सामने आई,आपको भी जान कर मजा आयेगा,आइये पढ़ते हैं वो कौन-सी बातें हैं। एक मुहावरा है, जो आपने सुना होगा **"अल्लाह मेहरबान तो गधा पहलवान"** अब सवाल उठता है, कि पहलवानी से गधे का क्या संबंध है? पहलवान आदमी होता है, जानवर नहीं,दरअसल मूल मुहावरे में गधा नहीं गदा शब्द था जिसका फ़ारसी में अर्थ होता है भिखारी..मतलब अगर अल्लाह मेहरवानी करे तो गदा भी पहलवान हो सकता है। और एक बात हिंदी में गदा किसी दूसरे अर्थ में प्रचलित है, है न बहुत दिलचस्प!

मुहावरों की अतरंगी दुनिया

एक और बहुत प्रचलित मुहावरा है **“अक्ल बड़ी या भैंस”** अब आप ही बताइए अक्ल का और भैंस का क्या संबंध? दरअसल यहाँ भैंस नहीं वयस शब्द था जिसका अर्थ होता है उम्र, अब मुहावरे का स्पष्ट अर्थ हुआ अक्ल बड़ी या उम्र उच्चारण दोष के कारण वयस से वैस बना फिर वैस से भैंस और इसी रूप में प्रचलित हो गया, मूल मुहावरा था **अक्ल बड़ी या वयस?**

मुहावरों की अतरंगी दुनिया

एक और मुहावरा है **“धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का ”** पते की बात यह है कि मूल मुहावरे में कुत्ता नहीं कुतका शब्द था जिसका अर्थ है, लकड़ी की खूँटी जो घर के बाहर लगी रहती थी जिस पर धोबी कपड़े सुखाता था कालक्रम में कुतके का प्रयोग तो बंद हो गया लेकिन कुतका शब्द कुत्ता में बदल कर प्रचलित हो गया जबकि कुत्ता धोबी के साथ घर में भी रहता है और घाट पर भी रहता है, है न कमाल की बात.... मूल मुहावरा है **“धोबी का कुतका न घर का न घाट का।”**

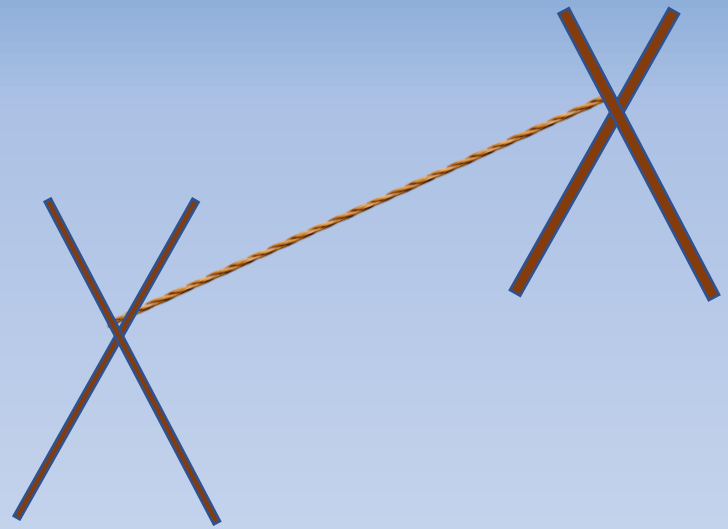

कान की गाथा

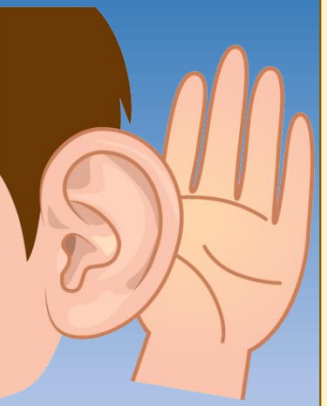

मैं हूँ कान, हम दो हैं... जुड़वां भाई... लेकिन हमारी किस्मत ही ऐसी है कि आज तक हमने अपने दूसरे भाई को देखा तक नहीं, पता नहीं कौन से श्राप के कारण हमें विपरीत दिशा में चिपका कर भेजा गया है, दुख सिर्फ इतना ही नहीं है, हमें जिम्मेदारी सिर्फ सुनने की मिली है – गालियाँ हों या तालियाँ, अच्छा हो या बुरा, सब हम ही सुनते हैं, धीरे धीरे हमें खूँटी समझा जाने लगा। चश्मे का बोझ डाला गया, फ्रेम की डंडी को हम पर फँसाया गया... ये दर्द सहा हमने... क्यों भाई? चश्मे का मामला आंखो का है तो हमें बीच में घसीटने का मतलब क्या है ? हम बोलते नहीं तो क्या हुआ, सुनते तो हैं ना... हर जगह बोलने वाले ही क्यों आगे रहते है? बचपन में पढ़ाई में किसी का दिमाग काम न करे तो मास्टर जी हमें ही मरोड़ते हैं। जवान हुए तो आदमी, औरतें सबने सुंदर सुंदर लौंग, बालियाँ, झुमके आदि बनवाकर हम पर ही लटकाये। छेदन हमारा हुआ, तारीफ चेहरे की, और तो और श्रृंगार देखो – आँखों के लिए काजल... मुँह के लिए क्रीमें... होठों के लिए लिपस्टिक... हमने आज तक कुछ माँगा हो तो बताओ। कभी किसी कवि ने, शायर ने कान की कोई तारीफ ही की हो तो बताओ, इनकी नज़र में आँखे, होंठ, गाल, ये ही सब कुछ है। हम तो जैसे किसी मृत्युभोज की बची खुची दो पूड़ियाँ हैं, जिसे उठाकर चेहरे के साइड में चिपका दिया बस और तो और, कई बार बालों के चक्कर में हम पर भी कट लगते हैं। हमें डिटाल लगाकर पुचकार दिया जाता है। बातें बहुत सी हैं, किससे कहें? कहते हैं दर्द बाँटने से मन हल्का हो जाता है। आँख से कहूँ तो वे आँसू टपकाती हैं। नाक से कहूँ तो वो बहाता है। मुँह से कहूँ तो वो हाय हाय करके रोता है। और बताऊँ... पंडित जी का जनेऊ, टेलर मास्टर की पेंसिल, मिस्त्री की बची हुई गुटखे की पुड़िया ... सब हम ही सम्भालते हैं। और आजकल ये नया नया मास्क का झंझट भी हम ही झेल रहे हैं... कान नहीं जैसे पक्की खूँटियाँ हैं, हम और भी कुछ टाँगना, लटकाना हो तो ले आओ भाई... तैयार हैं हम दोनों भाई.....(संकलित)

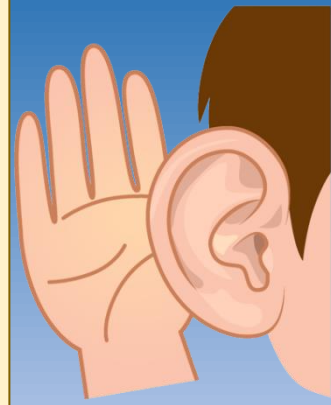

बूझो तो जानें, चतुर तुमको माने

प्रश्नोत्तरी

१भारत में “हिंदी दिवस” कब मनाया जाता है ?

२ भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा कौन सी है ?

३हिंदी भाषा का सर्वाधिक प्रयोग किया जाने वाला शब्द कौन-सा है ?

४ हिंदी भाषा के पहले समाचार पत्र का नाम क्या है ?

५भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान 'ज्ञानपीठ पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रथम हिंदी रचनाकार कौन थे ?

६ संयुक्त राष्ट्र में भारत के किस विदेश मंत्री ने पहली बार हिंदी में संबोधन दिया ?

७ हिंदी साहित्य जगत में राष्ट्रकवि की उपाधि से विभूषित कवि कौन हैं ?

८सर्वप्रथम खड़ी बोली में काव्य रचना करने वाले रचनाकार कौन हैं ?

९ हिंदी में वेब एड्रेस बनाने की सुविधा कब शुरू हुई ?

१० साहित्य अकादमी द्वारा दिया गया पहला 'बाल साहित्य पुरस्कार किस कृति को दिया गया ?

उत्तर-

१.प्रतिवर्ष १४ सितंबर को

२. हिंदी

३. नमस्ते

४. उदंत मार्तण्ड

५. सुमित्रानंदन पंत

६ अटल बिहारी वाजपेयी

७. मैथिलीशरण गुप्त

८अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध’

९. सन २०११ में

१०. एक था ठुनठुनिया

बूझो तो जानें

1. अष्टकोणी काष्ठ फलक पर ले टकाटक दे टकाटक
2. हरित घास पर ले तड़ातड़ दे तड़ातड़
3. विद्युत प्रकाशित काँच गोलक
4. यत्र तत्र सर्वत्र गमन आज्ञा पत्र
5. सहस्र चक्र लौह पथ गामिनी
6. गुंजनहारी मानव रक्त पिपासु जीव
7. दुग्ध जल मिश्रित शर्करा युक्त पर्वतीय बूटी
8. अग्नि उत्पादन पेटिका
9. गोल गट्टम लकड़ फट्टम दे दनादन प्रतियोगिता
10. अस्त व्यस्त वस्त्र नियंत्रक

उत्तर-

१.टेबल टेनिस २. लॉन टेनिस ३.लाइट बल्ब ४.ऑल रूट पास ५.रेल गाड़ी

६.मच्छर ७.चाय ८.माचिस की डिबिया ९.क्रिकेट १०.बटन

धन्यवाद